

МИНИСТЕРСТВО ПРОСВЕЩЕНИЯ РОССИЙСКОЙ ФЕДЕРАЦИИ

ФГБОУ ВО "Башкирский государственный педагогический университет им.М.Акумуллы"

План одобрен Ученым советом вуза  
Протокол № 13 от 16.06.2026

УЧЕБНЫЙ ПЛАН

по программе магистратуры



44.04.02

Направление 44.04.02 Психолого-педагогическое образование (уровень магистратуры) Направленность (профиль) Детская психология (с использованием дистанционных образовательных технологий)

Программа магистратуры: Детская психология (заочное)  
Кафедра: Возрастной и социальной психологии  
Факультет: Факультет психологии

Квалификация: Магистр

Год начала подготовки (по учебному плану) 2026

Форма обучения: Заочная форма

Образовательный стандарт (ФГОС) № 127 от 22.02.2018

Срок получения образования: 2 г. 5 м.

| Код    | Области профессиональной деятельности и (или) сферы профессиональной деятельности. Профессиональные стандарты |
|--------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 01     | ОБРАЗОВАНИЕ И НАУКА                                                                                           |
| 01.002 | ПЕДАГОГ-ПСИХОЛОГ (ПСИХОЛОГ В СФЕРЕ ОБРАЗОВАНИЯ)                                                               |

| Типы задач профессиональной деятельности |
|------------------------------------------|
| научно-исследовательский                 |
| сопровождения                            |

СОГЛАСОВАНО

Проректор по учебно-методической работе Габдрахманова К.В.

Директор УМД Мусифуллин С.Р.



План Учебный план магистратуры 'z44.04.02-26\_МППО\_ДП.plx', код направления 44.04.02, программа магистратуры : Детская психология (заочное), год начала подготовки 2026

|  |  | Формы, прил. арт. |  |  |  |  |  |  |  |  |  | з.в. |  | Итого аналог часов |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Учебные занятия |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 1 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 2 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 3 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 4 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 5 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 6 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 7 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 8 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 9 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 11 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 12 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 13 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 14 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 15 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 16 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 17 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 18 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 19 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 20 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 21 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 22 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 23 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 24 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 25 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 26 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 27 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 28 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 29 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 30 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 31 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 32 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 33 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 34 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 35 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 36 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 37 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 38 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 39 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 40 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 41 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 42 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 43 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 44 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 45 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 46 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 47 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 48 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 49 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 50 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 51 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 52 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 53 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 54 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 55 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 56 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 57 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 58 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 59 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 60 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 61 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 62 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 63 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 64 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 65 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 66 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 67 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 68 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 69 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 70 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 71 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 72 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 73 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 74 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 75 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 76 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 77 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 78 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 79 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 80 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 81 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 82 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 83 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 84 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 85 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 86 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 87 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 88 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 89 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 90 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 91 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 92 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 93 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 94 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 95 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 96 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 97 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 98 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 99 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 100 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 101 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 102 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 103 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 104 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 105 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 106 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 107 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 108 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 109 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 110 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 111 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 112 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 113 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 114 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 115 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 116 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 117 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 118 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 119 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 120 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 121 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 122 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 123 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 124 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 125 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 126 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 127 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 128 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 129 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 130 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 131 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 132 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 133 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 134 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 135 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 136 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 137 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 138 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 139 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 140 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 141 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 142 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 143 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 144 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 145 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 146 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 147 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 148 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 149 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 150 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 151 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 152 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 153 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 154 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 155 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 156 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 157 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 158 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 159 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 160 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 161 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 162 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 163 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 164 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 165 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 166 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 167 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 168 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 169 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 170 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 171 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 172 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 173 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 174 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 175 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 176 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 177 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 178 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 179 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 180 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 181 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 182 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 183 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 184 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 185 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 186 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 187 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 188 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 189 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 190 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 191 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 192 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 193 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 194 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 195 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 196 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 197 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 198 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 199 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 200 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 201 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 202 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 203 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 204 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 205 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 206 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 207 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 208 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 209 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 210 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 211 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 212 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 213 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 214 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 215 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 216 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 217 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 218 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 219 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 220 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 221 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 222 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 223 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 224 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 225 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 226 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 227 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 228 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 229 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 230 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 231 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 232 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 233 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 234 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 235 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 236 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 237 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 238 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 239 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 240 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 241 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 242 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 243 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 244 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 245 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 246 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 247 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 248 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 249 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 250 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 251 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 252 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 253 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 254 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 255 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 256 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 257 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 258 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 259 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 260 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 261 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 262 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 263 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 264 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 265 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 266 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 267 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 268 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 269 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 270 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 271 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 272 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 273 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 274 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 275 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 276 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 277 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 278 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 279 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 280 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 281 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 282 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 283 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 284 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 285 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 286 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 287 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 288 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 289 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 290 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 291 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 292 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 293 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 294 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 295 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 296 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 297 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 298 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 299 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 300 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 301 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 302 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 303 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 304 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 305 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 306 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 307 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 308 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 309 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 310 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 311 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 312 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 313 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 314 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 315 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 316 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 317 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 318 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 319 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 320 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 321 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 322 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 323 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 324 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 325 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 326 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 327 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 328 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 329 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 330 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 331 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 332 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 333 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 334 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 335 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 336 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 337 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 338 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 339 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 340 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 341 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 342 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 343 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 344 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 345 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 346 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 347 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 348 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 349 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 350 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 351 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 352 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 353 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 354 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 355 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 356 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 357 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 358 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 359 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 360 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 361 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 362 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 363 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 364 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 365 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 366 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 367 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 368 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 369 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 370 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 371 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 372 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 373 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 374 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 375 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 376 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 377 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 378 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 379 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 380 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 381 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 382 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 383 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 384 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 385 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 386 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 387 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 388 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 389 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 390 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 391 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 392 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 393 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 394 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 395 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 396 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 397 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 398 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 399 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 400 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 401 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 402 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 403 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 404 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 405 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 406 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 407 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 408 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 409 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 410 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 411 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 412 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 413 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 414 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 415 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 416 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 417 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 418 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 419 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 420 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 421 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 422 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 423 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 424 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 425 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 426 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 427 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 428 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 429 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 430 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 431 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 432 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 433 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 434 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 435 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 436 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 437 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 438 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 439 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 440 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 441 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 442 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 443 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 444 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 445 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 446 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 447 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 448 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 449 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 450 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 451 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 452 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 453 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 454 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 455 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 456 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 457 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 458 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 459 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 460 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 461 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 462 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 463 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 464 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 465 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 466 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 467 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 468 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 469 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 470 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 471 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 472 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 473 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 474 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 475 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 476 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 477 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 478 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 479 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 480 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 481 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 482 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 483 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 484 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 485 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 486 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 487 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 488 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 489 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 490 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 491 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 492 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 493 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 494 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 495 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 496 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 497 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 498 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 499 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 500 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 501 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 502 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 503 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 504 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 505 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 506 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 507 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 508 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 509 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 510 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 511 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 512 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 513 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 514 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 515 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 516 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 517 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 518 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 519 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 520 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 521 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 522 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 523 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 524 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 525 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 526 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 527 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 528 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 529 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 530 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 531 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 532 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 533 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 534 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 535 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 536 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 537 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 538 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 539 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 540 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 541 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 542 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 543 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 544 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 545 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 546 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 547 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 548 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 549 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 550 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 551 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 552 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 553 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 554 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 555 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 556 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 557 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 558 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 559 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 560 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 561 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 562 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 563 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 564 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 565 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 566 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 567 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 568 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 569 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 570 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 571 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 572 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 573 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 574 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 575 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 576 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 577 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 578 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 579 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 580 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 581 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 582 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 583 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 584 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 585 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 586 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 587 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 588 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 589 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 590 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 591 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 592 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 593 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 594 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 595 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 596 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 597 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 598 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 599 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 600 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 601 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 602 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 603 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 604 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 605 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 606 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 607 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 608 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 609 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 610 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 611 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 612 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 613 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 614 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 615 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 616 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 617 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 618 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 619 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 620 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 621 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 622 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 623 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 624 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 625 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 626 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 627 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 628 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 629 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 630 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 631 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 632 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 633 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 634 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 635 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 636 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 637 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 638 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 639 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 640 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 641 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 642 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 643 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 644 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 645 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 646 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 647 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 648 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 649 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 650 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 651 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 652 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 653 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 654 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 655 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 656 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 657 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 658 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 659 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 660 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 661 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 662 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 663 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 664 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 665 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 666 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 667 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 668 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 669 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 670 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 671 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 672 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 673 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 674 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 675 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 676 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 677 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 678 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 679 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 680 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 681 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 682 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 683 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 684 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 685 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 686 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 687 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 688 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 689 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 690 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 691 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 692 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 693 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 694 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 695 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 696 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 697 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 698 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 699 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 700 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 701 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 702 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 703 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 704 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 705 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 706 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 707 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 708 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 709 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 710 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 711 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 712 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 713 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 714 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 715 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 716 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 717 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 718 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 719 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 720 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 721 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 722 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 723 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 724 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 725 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 726 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 727 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 728 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 729 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 730 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 731 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 732 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 733 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 734 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 735 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 736 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 737 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 738 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 739 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 740 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 741 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 742 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 743 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 744 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 745 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 746 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 747 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 748 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 749 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 750 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 751 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 752 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 753 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 754 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 755 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 756 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 757 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 758 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 759 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 760 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 761 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 762 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 763 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 764 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 765 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 766 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 767 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 768 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 769 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 770 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 771 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 772 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 773 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 774 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 775 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 776 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 777 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 778 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 779 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 780 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 781 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 782 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 783 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 784 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 785 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 786 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 787 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 788 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 789 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 790 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 791 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 792 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 793 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 794 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 795 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 796 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 797 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 798 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 799 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 800 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 801 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 802 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 803 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 804 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 805 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 806 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 807 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 808 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 809 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 810 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 811 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 812 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 813 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 814 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 815 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 816 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 817 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 818 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 819 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 820 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 821 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 822 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 823 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 824 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 825 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 826 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 827 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Курс 828 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|-------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|--|--|-------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|

| Индекс                                                            | Содержание                                                                                                                                                                                                                                                            | Тип |
|-------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
|                                                                   |                                                                                                                                                                                                                                                                       |     |
| УК-1                                                              | Способен осуществлять критический анализ проблемных ситуаций на основе системного подхода, вырабатывать стратегию действий                                                                                                                                            | УК  |
| УК-2                                                              | Способен управлять проектом на всех этапах его жизненного цикла                                                                                                                                                                                                       | УК  |
| УК-3                                                              | Способен организовывать и руководить работой команды, вырабатывая командную стратегию для достижения поставленной цели                                                                                                                                                | УК  |
| уК-4                                                              | Способен применять современные коммуникативные технологии, в том числе на иностранном(ых) языке(ах), для академического и профессионального взаимодействия                                                                                                            | УК  |
| УК-5                                                              | Способен анализировать и учитывать разнообразие культур в процессе межкультурного взаимодействия                                                                                                                                                                      | УК  |
| УК-6                                                              | Способен определять и реализовывать приоритеты собственной деятельности и способы ее совершенствования на основе самооценки                                                                                                                                           | УК  |
| ОПК-1                                                             | Способен осуществлять и оптимизировать профессиональную деятельность в соответствии с нормативными правовыми актами в сфере образования и нормами профессиональной этики                                                                                              | ОПК |
| ОПК-2                                                             | Способен проектировать основные и дополнительные образовательные программы и разрабатывать научно-методическое обеспечение их реализации                                                                                                                              | ОПК |
| ОПК-3                                                             | Способен проектировать организацию совместной и индивидуальной учебной и воспитательной деятельности обучающихся, в том числе с особыми образовательными потребностями                                                                                                | ОПК |
| ОПК-4                                                             | Способен создавать и реализовывать условия и принципы духовно-нравственного воспитания обучающихся на основе базовых национальных ценностей                                                                                                                           | ОПК |
| ОПК-5                                                             | Способен разрабатывать программы мониторинга результатов образования обучающихся, разрабатывать и реализовывать программы преодоления трудностей в обучении                                                                                                           | ОПК |
| ОПК-6                                                             | Способен проектировать и использовать эффективные психолого-педагогические, в том числе инклюзивные, технологии в профессиональной деятельности, необходимые для индивидуализации обучения, развития, воспитания обучающихся с особыми образовательными потребностями | ОПК |
| ОПК-7                                                             | Способен планировать и организовывать взаимодействия участников образовательных отношений                                                                                                                                                                             | ОПК |
| ОПК-8                                                             | Способен проектировать педагогическую деятельность на основе специальных научных знаний и результатов исследований                                                                                                                                                    | ОПК |
| Тип задач профессиональной деятельности: научно-исследовательский |                                                                                                                                                                                                                                                                       |     |
| ПК-1                                                              | Способен осуществлять научно-исследовательскую работу в области профессиональной деятельности                                                                                                                                                                         | ПК  |
| Тип задач профессиональной деятельности: сопровождения            |                                                                                                                                                                                                                                                                       |     |
| ПК-2                                                              | Способен осуществлять диагностическую, коррекционно-развивающую, просветительскую и профилактическую работу с ориентацией на нормы психического, личностного и индивидуального развития, способы адаптации и проявления дезадаптивного поведения детей и подростков   | ПК  |

| Индекс          | лок/ час   | Наименование                                                                     | Формируемые компетенции                                                                                |
|-----------------|------------|----------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| Б1              |            | Дисциплины (модули)                                                              | УК-1; УК-2; УК-3; УК-4; УК-5; УК-6; ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-4; ОПК-5; ОПК-6; ОПК-7; ОПК-8; ПК-1; ПК-2 |
|                 | Б1.В       | Часть, формируемая участниками образовательных отношений                         | ПК-1; ПК-2                                                                                             |
|                 | Б1.О       | Обязательная часть                                                               | УК-1; УК-2; УК-3; УК-4; УК-5; УК-6; ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-4; ОПК-5; ОПК-6; ОПК-7; ОПК-8             |
| Б2              | Б1.О.01    | Педагогическая праксеология                                                      | ОПК-1; ОПК-4                                                                                           |
|                 |            | Практика                                                                         | УК-1; УК-4; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-4; ПК-1; ПК-2                                                            |
|                 | Б2.В       | Часть, формируемая участниками образовательных отношений                         | ПК-1; ПК-2                                                                                             |
|                 | Б2.В.01(П) | Производственная практика                                                        | ПК-1; ПК-2                                                                                             |
|                 | Б2.О       | Обязательная часть                                                               | УК-1; УК-4; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-4                                                                        |
|                 | Б2.О.01(У) | Научно-исследовательская практика                                                | УК-1; ОПК-2                                                                                            |
|                 | Б2.О.02(П) | Педагогическая практика                                                          | ОПК-3; ОПК-4                                                                                           |
| Б3              | Б2.О.03(П) | Научно-исследовательская работа                                                  | УК-1; УК-4                                                                                             |
|                 |            | Государственная итоговая аттестация                                              | УК-1; УК-2; УК-3; УК-4; УК-5; УК-6; ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-4; ОПК-5; ОПК-6; ОПК-7; ОПК-8; ПК-1; ПК-2 |
|                 | Б3.О       |                                                                                  | УК-1; УК-2; УК-3; УК-4; УК-5; УК-6; ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-4; ОПК-5; ОПК-6; ОПК-7; ОПК-8; ПК-1; ПК-2 |
|                 | Б3.О.01    | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы                            | УК-1; УК-2; УК-3; УК-4; УК-5; УК-6; ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-4; ОПК-5; ОПК-6; ОПК-7; ОПК-8; ПК-1; ПК-2 |
|                 |            | Факультативы                                                                     | УК-1; УК-3; УК-6; ОПК-4                                                                                |
| ФТД             |            |                                                                                  |                                                                                                        |
| ФТД.В           |            |                                                                                  | УК-1; УК-3; УК-6; ОПК-4                                                                                |
| ФТД.В.01        | ФТД.В      | Сопровождение обучающихся с ограниченными возможностями здоровья и инвалидностью | УК-1                                                                                                   |
| ФТД.В.02        | ФТД.В      | Единое электронное образовательное пространство университета                     | УК-6                                                                                                   |
| ФТД.В.03        | ФТД.В      | Сопровождение добровольческой (волонтерской) деятельности                        | УК-3; УК-6                                                                                             |
| ФТД.В.04        | ФТД.В      | Концепции современного естествознания и экологическое просвещение                | УК-1                                                                                                   |
| ФТД.В.05        | ФТД.В      | Теоретико-методологические основы духовно-нравственного образования и воспитания | ОПК-4                                                                                                  |
| К.М             |            | Комплексные модули                                                               | УК-1; УК-2; УК-3; УК-4; УК-5; УК-6; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-5; ОПК-6; ОПК-7; ОПК-8; ПК-1; ПК-2               |
| К.М.01          | К.М        | Модуль универсальной подготовки                                                  | УК-1; УК-2; УК-3; УК-4; УК-5; УК-6                                                                     |
| К.М.01.01       | Б1.О       | Теория управления                                                                | УК-1; УК-3                                                                                             |
| К.М.01.02       | Б1.О       | Практикум по управлению проектами                                                | УК-2                                                                                                   |
| К.М.01.03       | Б1.О       | Практикум по профессиональной коммуникации на иностранном и русском языках       | УК-4                                                                                                   |
| К.М.01.04       | Б1.О       | Кросс-культурные коммуникации                                                    | УК-5                                                                                                   |
| К.М.01.05       | Б1.О       | Саморазвитие и проектирование профессиональной карьеры                           | УК-6                                                                                                   |
| К.М.01.06       | Б1.О       | Цифровые технологии в научно-исследовательской и управленческой деятельност      | УК-1                                                                                                   |
| К.М.02          | К.М        | Модуль психолого-педагогической подготовки                                       | ОПК-2; ОПК-3; ОПК-5; ОПК-6; ОПК-7; ОПК-8                                                               |
| К.М.02.01       | Б1.О       | Психолого-педагогическое сопровождение научно-исследовательской деятельности     | ОПК-5; ОПК-7; ОПК-8                                                                                    |
| К.М.02.02       | Б1.О       | Аксменология                                                                     | ОПК-2; ОПК-3; ОПК-6                                                                                    |
| К.М.03          | К.М        | Модуль профильных дисциплин                                                      | ПК-1; ПК-2                                                                                             |
| К.М.03.01       | Б1.В       | Статистические методы в психолого-педагогических исследованиях                   | ПК-1                                                                                                   |
| К.М.03.02       | Б1.В       | Психология развития детей и подростков                                           | ПК-2                                                                                                   |
| К.М.03.03       | Б1.В       | Психология семьи и семейного воспитания                                          | ПК-2                                                                                                   |
| К.М.03.04       | Б1.В       | Клиническая психология детей и подростков                                        | ПК-2                                                                                                   |
| К.М.03.05       | Б1.В       | Психодиагностика детского развития                                               | ПК-2                                                                                                   |
| К.М.03.06       | Б1.В       | Возрастно-психологическое консультирование                                       | ПК-2                                                                                                   |
| К.М.03.07       | Б1.В       | Коррекционно-развивающая работа с детьми и подростками                           | ПК-2                                                                                                   |
| К.М.03.08       | Б1.В       | Психотерапия детей и подростков                                                  | ПК-2                                                                                                   |
| К.М.03.09       | Б1.В       | Супервизия и интервизия в профессиональной деятельности                          | ПК-2                                                                                                   |
| К.М.03.10       | Б1.В       | Характерология                                                                   | ПК-2                                                                                                   |
| К.М.03.ДВ.01    | Б1.В       | Элективные дисциплины (модули) 1 (ДВ.1)                                          | ПК-2                                                                                                   |
| К.М.03.ДВ.01.01 | Б1.В       | Арт-терапия в работе детского психолога                                          | ПК-2                                                                                                   |
| К.М.03.ДВ.01.02 | Б1.В       | Психологическое сопровождение детей и семьи в трудных жизненных ситуациях        | ПК-2                                                                                                   |
| К.М.03.ДВ.02    | Б1.В       | Элективные дисциплины (модули) 2 (ДВ.2)                                          | ПК-2                                                                                                   |
| К.М.03.ДВ.02.01 | Б1.В       | Проективные методы в работе детского психолога                                   | ПК-2                                                                                                   |
| К.М.03.ДВ.02.02 | Б1.В       | Интерактивные методы в работе детского психоло                                   | ПК-2                                                                                                   |

|                                                                                   | Итого                 |       |              |          |        | Курс 1 | Курс 2 | Курс 3 |
|-----------------------------------------------------------------------------------|-----------------------|-------|--------------|----------|--------|--------|--------|--------|
|                                                                                   | Баз.%                 | Вар.% | ДВ(от Вар.)% | з.е.     |        |        |        |        |
|                                                                                   |                       |       |              | Не менее | Факт   |        |        |        |
| Итого (с факультативами)                                                          |                       |       |              | 101      | 125    | 51     | 49     | 25     |
| Итого по ОП (без факультативов)                                                   |                       |       |              | 99       | 120    | 48     | 47     | 25     |
| Дисциплины (модули)                                                               | 32%                   | 68%   | 16.6%        | 50       | 71     | 31     | 26     | 14     |
| Обязательная часть                                                                |                       |       |              |          | 23     | 19     | 4      |        |
| Часть, формируемая участниками образовательных отношений                          |                       |       |              |          | 48     | 12     | 22     | 14     |
| Практика                                                                          | 78%                   | 22%   | 0%           | 40       | 40     | 17     | 21     | 2      |
| Обязательная часть                                                                |                       |       |              |          | 31     | 17     | 12     | 2      |
| Часть, формируемая участниками образовательных отношений                          |                       |       |              |          | 9      |        | 9      |        |
| Государственная итоговая аттестация                                               |                       |       |              | 9        | 9      |        |        | 9      |
|                                                                                   |                       |       |              |          | 9      |        |        | 9      |
| Факультативы                                                                      |                       |       |              | 2        | 5      | 3      | 2      |        |
|                                                                                   |                       |       |              |          | 5      | 3      | 2      |        |
| Учебная нагрузка (акад.час/нед)                                                   | ОП, факультативы      |       |              |          | 41     | 46.1   | 37.2   | 38.4   |
| Контактная работа (акад.час/год)                                                  | обязательная          |       |              |          | 183.1  | 221.25 | 242.1  | 108.35 |
|                                                                                   | необязательная        |       |              |          | 18     | 18     |        |        |
| Суммарная контактная работа (акад. час)                                           | Блок Б1               |       |              |          | 535.2  | 213.45 | 220.3  | 101.45 |
|                                                                                   | Блок Б2               |       |              |          | 33.6   | 9.1    | 17.6   | 6.9    |
|                                                                                   | Блок Б3               |       |              |          | 15.5   |        |        | 15.5   |
|                                                                                   | Блок ФТД              |       |              |          | 32     | 18     | 14     |        |
|                                                                                   | Итого по всем блокам  |       |              |          | 616.3  | 240.55 | 251.9  | 123.85 |
| Аудиторная нагрузка (акад.час/год)                                                | ОП                    |       |              |          | 158    | 194    | 190    | 90     |
| Обязательные формы промежуточной аттестации                                       | ЭКЗАМЕН (Эк)          |       |              |          |        | 3      | 4      | 1      |
|                                                                                   | ЗАЧЕТ (За)            |       |              |          |        | 5      | 6      | 2      |
|                                                                                   | ЗАЧЕТ С ОЦЕНКОЙ (ЗаО) |       |              |          |        | 5      | 4      | 2      |
|                                                                                   | КУРСОВАЯ РАБОТА (КР)  |       |              |          |        | 1      | 1      |        |
|                                                                                   | ОЦЕНКА (Оц)           |       |              |          |        | 4      | 1      |        |
| Процент ... занятий от аудиторных (%)                                             | лекционных            |       |              |          | 25.22% |        |        |        |
|                                                                                   | в интерактивной форме |       |              |          | 69.1%  |        |        |        |
| Объём обязательной части от общего объёма программы (%)                           |                       |       |              |          | 45%    |        |        |        |
| Объём конт. работы от общего объёма времени на реализацию дисциплин (модулей) (%) |                       |       |              |          | 20.94% |        |        |        |